

प्रेषक,

मिशन निदेशक
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन,उ0प्र0
16 ए0पी0सेन रोड,लखनऊ।

सेवा में,

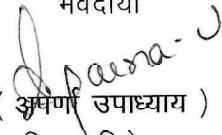
मुख्य चिकित्सा अधिकारी
फरुखाबाद।
पत्रांक : एस0पी0एम0यू0 / एन0एच0एम0 / एम0एण्ड0ई0 / 2022-23 / 5495
विषय— सपोर्टिंग सुपरविजन के अन्तर्गत चिन्हित बिन्दुओं पर सुधारात्मक कार्यवाही के सम्बन्ध में।

दिनांक-02-11-2022

महोदय,

जैसा कि आप अवगत हैं कि राज्य स्तरीय पर्यवेक्षकों द्वारा दिनांक 21.9.2022 से 23.9.2022 तक आपके जनपद में सहयोगात्मक पर्यवेक्षण किया गया एवं राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अन्तर्गत संचालित विभिन्न गतिविधियों / कार्यक्रमों का क्षेत्रीय सत्यापन तथा गुणवत्ता का भी आंकलन किया गया। उक्त पर्यवेक्षण दल द्वारा नियमित रूप से प्रत्येक माह आपके जनपद में भ्रमण किया जाना है तथा कार्यक्रमों की गतिशीलता हेतु पूर्ण राहयोग प्रदान किया जाना है।

टीम द्वारा प्रस्तुत भ्रमण आख्या में इंगित गतिविधिवार / कार्यक्रमवार अपेक्षित सुधारात्मक कार्यवाही सम्बन्धित स्तर रो करते हुए कृत कार्यवाही से अधोहस्ताक्षरी को अवगत कराने का कष्ट करें जिससे आगामी भ्रमण के समय भ्रमण दल द्वारा कार्यक्रम / सुधारात्मक कार्यवाही की समीक्षा कर आगामी रणनीति तैयार की जा सके।

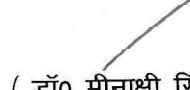
भवदीया

(अधिकारी उपाध्याय)
मिशन निदेशक

तददिनांक-

पत्रांक : एस0पी0एम0यू0 / एन0एच0एम0 / एग0एण्ड0ई0 / 2022-23 /

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः—

1. अध्यक्ष जिला स्वास्थ्य समिति / जिला अधिकारी, फरुखाबाद।
2. मण्डलीय अपर निदेशक, चिह्नों रखा0 एवं0 परिवार कल्याण, कानपुर नगर।
3. सम्बन्धित महाप्रबन्धक, एस0पी0एम0यू0, एन0एच0एम0, लखनऊ।
4. मण्डलीय कार्यक्रम प्रबन्धक, मण्डलीय कार्यक्रम प्रबन्धन इकाई, कानपुर नगर, एन0एच0एम0।
5. जिला कार्यक्रम प्रबन्धक, जिला कार्यक्रम प्रबन्धन इकाई, एन0एच0एम0, फरुखाबाद।


(डॉ मीनाक्षी सिंह)
महाप्रबन्धक, आई0ई0सी0

प्रेषक,

मिशन निदेशक
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन,उ0प्र0
16 ए0पी0सेन रोड,लखनऊ।

सेवा में,

मुख्य चिकित्सा अधिकारी
फर्रुखाबाद।
पत्रांक : एस0पी0एम0यू0 / एन0एच0एम0 / एम0एण्ड0ई0 / 2022-23 /
विषय— सपोर्टिंग सुपरविजन के अन्तर्गत चिन्हित बिन्दुओं पर सुधारात्मक कार्यवाही के सम्बन्ध में।

दिनांक- 02-11-2022

महोदय,

जैसा कि आप अवगत हैं कि राज्य स्तरीय पर्यवेक्षकों द्वारा दिनांक 21.9.2022 से 23.9.2022 तक आपके जनपद में सहयोगात्मक पर्यवेक्षण किया गया एवं राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अन्तर्गत संचालित विभिन्न गतिविधियों / कार्यक्रमों का क्षेत्रीय सत्यापन तथा गुणवत्ता का भी आंकलन किया गया। उक्त पर्यवेक्षण दल द्वारा नियमित रूप से प्रत्येक माह आपके जनपद में भ्रमण किया जाना है तथा कार्यक्रमों की गतिशीलता हेतु पूर्ण सहयोग प्रदान किया जाना है।

टीम द्वारा प्रस्तुत भ्रमण आख्या में इंगित गतिविधिवार / कार्यक्रमवार अपेक्षित सुधारात्मक कार्यवाही सम्बन्धित स्तर से कराते हुए कृत कार्यवाही से अधोहस्ताक्षरी को अवगत कराने का कष्ट करें जिससे आगामी भ्रमण के समय भ्रमण दल द्वारा कार्यक्रम / सुधारात्मक कार्यवाही की समीक्षा कर आगामी रणनीति तैयार की जा सके।

भवदीया

(अपर्णा उपाध्याय)
मिशन निदेशक

पत्रांक : एस0पी0एम0यू0 / एन0एच0एम0 / एम0एण्ड0ई0 / 2022-23 / ५४९५-५

तददिनांक-

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः—

1. अध्यक्ष जिला स्वास्थ्य समिति / जिला अधिकारी,फर्रुखाबाद।
2. मण्डलीय अपर निदेशक,चिं0 स्वा0 एवं0 परिवार कल्याण, कानपुर नगर।
3. सम्बन्धित महाप्रबन्धक,एस0पी0एम0यू0,एन0एच0एम0,लखनऊ।
4. मण्डलीय कार्यक्रम प्रबन्धक,मण्डलीय कार्यक्रम प्रबन्धन इकाई, कानपुर नगर,एन0एच0एम0।
5. जिला कार्यक्रम प्रबन्धक,जिला कार्यक्रम प्रबन्धन इकाई,एन0एच0एम0, फर्रुखाबाद।

(डॉ मीनाक्षी सिंह)
महाप्रबन्धक, आई0ई0सी0

सहयोगात्मक पर्यवेक्षण भ्रमण आख्या

जनपद— फरुखाबाद।

दिनांक— 21.9.2022 से 23.9.2022

भ्रमण दल के सदस्य—

- नीलिमा पाठक, सलाहकार, रटेट ब्लड सेल सोशल मीडिया, एन०एच०एम०।
- रागिनी सिंह, सलाहकार, चाइल्ड हेल्थ, एन०एच०एम०।

मिशन निदेशक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उ०प्र० के पत्रांक एस०पी०एम०य०० / एन०एच०एम० / एम० एण्ड०ई० / 2022-23 / 2566-2 / दिनांक 19.7.2022 द्वारा प्रदत्त निर्देश के क्रम में उपरोक्त पर्यवेक्षकों द्वारा आवंटित जनपद फरुखाबाद का सहयोगात्मक पर्यवेक्षण दिनांक 21.9.2022 से 23.9.2022 तक किया गया जिसकी बिन्दुवार आख्या निम्नवत् है।

• प्रथम दिवस—21.9.2022

दिनांक 21.9.2022 को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कमालगंज, उपकेन्द्र बलीपुर, हेल्थ एवं वेलनेस रोन्टर बलीपुर एवं जिला स्नास्थ समिति की बैठक में भाग लिया गया।

• द्वितीय दिवस— 22.9.2022

दिनांक 22.9.2022 को जिला कार्यक्रम प्रबन्धन इकाई के अधिकारियों, जनपदीय सलाहकार मातृ स्वास्थ्य, परिवार कल्याण, क्वालिटी एसोरेन्स, एन०य००एच०एम० समन्वयक आदि के साथ बैठक एवं नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भोलेपुर एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र अमृतपुर का भ्रमण।

• तृतीय दिवस— 23.9.2022

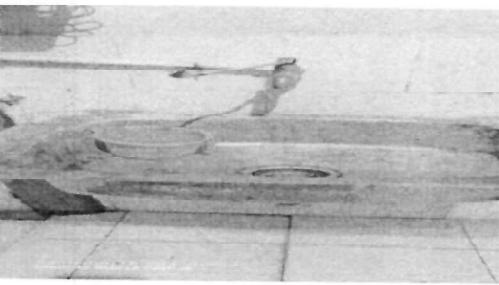
दिनांक 23.9.2022 को जिला पुरुष एवं महिला चिकित्सालय का भ्रमण एवं अपर मुख्य चिकित्साधिकारी, एन०एच०एम० के साथ फीडबैक बैठक।

अवलोकित गतिविधियां	सुझाव एवं सहयोगात्मक कार्यवाही	सम्बन्धित जिम्मेदार व्यक्ति
<p>सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कमालगंज</p> <ul style="list-style-type: none"> भ्रमण दल अपराह्न 12.30 पर जब चिकित्सा इकाई पहुँचा उस समय ओ०पी०डी० की सेवायें चल रही थीं। भ्रमण समय तक कुल 75 ओ०पी०डी० रजिस्ट्रेशन हो चुके थे। चिकित्सालय में आने वाले सभी लाभार्थियों का मुख्य द्वार पर ही कोविड की जाँच की जा रही थी। परन्तु कोविड जाँच हेतु कक्ष की व्यवस्था नहीं थी व खुले में ही मेज पर किट रखकर जाँच की जा रही थी। अपराह्न 12.40 तक कुल 59 मरीजों की कोविड जाँच की गई थी। ओ०पी०डी० में महिला चिकित्सक मरीजों को देख रही थी। आयुष चिकित्साधिकारी (संविदा) डा० निशी आयुष क्लीनिक में उपस्थित थीं एवं भ्रमण समय तक कुल 28 महिलाओं को देखा था। 	<ul style="list-style-type: none"> कोविड जाँच हेतु कक्ष चिन्हित कर व्यवस्थित प्रकार से भीड़ को नियन्त्रित कर कार्यवाही करने हेतु अवगत कराया गया। 	CHC Suppt. & Team

<ul style="list-style-type: none"> आयुष क्लीनिक में साफ—सफाई एवं मरीजों के बैठने की व्यवस्था संतोषजनक नहीं थी एवं मरीजों के बैठने की भी व्यवस्था नहीं थी। सभी मरीज महिला चिकित्साधिकारी को घेरे हुए थे तथा मरीजों को देखते समय गोपनीयता का भी अभाव पाया गया। 	<ul style="list-style-type: none"> कक्ष में मरीजों को देखने की उचित व्यवस्था की जाय। प्रयास किया जाय कि डाक्टर के पास जिस मरीज को दिखाना है वो और उसके परिवार के एक या दो सदस्य ही जाएं, अनुचित भीड़ को एकत्रित न किया जाय जिससे मरीज की गोपनीयता बरकरार रहें। 	CHC Suptt & Team
<ul style="list-style-type: none"> आयुष क्लीनिक में औषधियों का रख—रखाव सही अवस्था में नहीं पाया गया। लोहे की रैक में खुले में अव्यवस्थित रूप से औषधियों को रखा गया था एवं औषधियाँ सीलन से रखाब भी हो रही थी। आयुष महिला चिकित्साधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि केन्द्र पर आयुष फार्मासिस्ट न होने के कारण औषधि वितरण में असुविधा होती है। आयुष गहिला चिकित्साधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि वह वर्ष 2010 से एन०एच०एम० में संविदा पर कार्यरत है और उन्हे अभी रु० 42000 / प्रतिमाह मानदेय प्राप्त हो रहा है एवं जनपद द्वारा अभी तक लायल्टी का भी भुगतान नहीं किया गया है। 	<ul style="list-style-type: none"> औषधियों के रख—रखाव की व्यवस्था उचित प्रकार से कराई जाय। समय समय पर रैक की साफ—सफाई करायी जाय एवं एकसपायरी औषधियों को हटा दिया जाय। 	CHC Suptt./ BPM & LMO
	<ul style="list-style-type: none"> लायल्टी का भुगतान किन कारणों से अभी तक नहीं किया गया है उक्त पर जनपद स्तर पर चर्चा कर निदान कराने हेतु अवगत कराया गया। 	CMO/ACMO & DPM
<ul style="list-style-type: none"> चिकित्सा इकाई पर उपरिथित अन्य संविदा कर्मियों द्वारा भी लॉयल्टी न मिलने की बात कही गई। डॉ. कृतिका एम०बी०बी०एस० द्वारा महिला ओ०पी०डी० में गर्भवती महिलाओं की जाँच की जा रही थी। यहाँ पर भी मरीजों के बैठने की व्यवस्था नहीं थी। सभी मरीज महिला चिकित्साधिकारी को घेरे हुए थे तथा मरीजों को देखते समय गोपनीयता का भी अभाव पाया गया। 	<ul style="list-style-type: none"> कक्ष में मरीजों को देखने की उचित व्यवस्था की जाय। प्रयास किया जाय कि डाक्टर के पास जिस मरीज को दिखाना है वो और उसके परिवार के एक या दो सदस्य ही जाएं, अनुचित भीड़ को एकत्रित न किया जाय जिससे मरीज की गोपनीयता बरकरार रहें। 	CHC Suptt./BPM & LMO
<ul style="list-style-type: none"> भ्रमण के समय गर्भवती लक्ष्मी जो कि 06 माह की गर्भवती थी एवं उसका हीमोग्लोबिन 3.2 था Blood Transfusion हेतु महिला चिकित्साधिकारी द्वारा जनपद पर रेफर किया जा रहा था। पूछने पर महिला चिकित्साधिकारी द्वारा बताया गया कि गर्भवती महिला पहली बार चिकित्सा इकाई पर आई है और क्षेत्र में आशा को भी इसकी जानकारी नहीं थी। 	<ul style="list-style-type: none"> आशा द्वारा क्षेत्र में सभी गर्भवती महिलाओं की सूचना समय पर प्राप्त कर पंजीकरण कराने हेतु अवगत कराया गया तथा यह भी अवगत कराया गया कि आशा मासिक बैठक में महिला चिकित्साधिकारी द्वारा प्रतिभाग कर एच०आर०पी० एवं शीघ्र पंजीकरण के फायदे आदि विषय पर आशाओं को नियमित संवेदीकृत किया जाय तथा बी०सी०पी०एम० द्वारा क्षेत्रवार आशा कार्य की समीक्षा भी की जाय जिससे कि समय पर गर्भवती की पहचान कर सुरक्षित प्रसव की सुविधा प्रदत्त कराई जा सके। 	CHC Suptt./ BCPM/DCMP & LMO

<ul style="list-style-type: none"> सामु0स्वा0केन्द्र कमालगंज पर रक्त भंडारण केन्द्र रथापित है जो कि गर्भवती महिलाओं में एनीमिया / प्रसव के समय खून की कमी पर तत्काल रक्त की उपलब्धता कराने हेतु स्थापित की गई है, उक्त स्थिति में महिला को जिला चिकित्सालय व्यौं रेफर किया जा रहा है पूछने पर महिला चिकित्साधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि उन्हें ऐसी कोई भी जानकारी नहीं है कि चिकित्सा इकाई पर रक्त की उपलब्धता हेतु बी0एस0यू0 कियाशील है। 	<ul style="list-style-type: none"> चिकित्सा इकाई पर कौन कौन सी सुविधायें प्रदत्त कराई जा रही हैं उक्त के विषय में सिटीजन चार्टर का प्रदर्शन किया जाय एवं नियमित रूप से अधीक्षक द्वारा अपने स्टाफ के साथ बैठक कर चिकित्सालय में प्रदान की जा रही स्वारश्य सेवाओं की गुणवत्ता सुधार एवं रणनीति निर्धारण हेतु बैठक किया जाय जिससे वस्तुस्थिति से सभी अधिकारी / कर्मचारी अवगत रहें। 	CHC Suptt/BPM & Team
--	--	----------------------

प्रसव कक्ष व वार्ड

<ul style="list-style-type: none"> भ्रमण के समय प्रसव कक्ष में दो लाभार्थी श्रीमती सारिका एवं श्रीमती राखी प्रसव हेतु भर्ती थीं। भ्रमण के समय प्रसव कक्ष में नरा मेंटर नमिता उपस्थित पायी गई अन्य कोई भी स्टाफ उपस्थित नहीं था। प्रसव कक्ष में साफ-सफाई की व्यवस्था संतोषजनक नहीं थी। लेबर टेबल पर मैकेनटॉस, पिलो गंदी अवस्था में थे तथा कैलिसपैड में हवा भी नहीं थी। 	 <ul style="list-style-type: none"> नियमित रूप से प्रसव कक्ष की साफ-सफाई कराई जाय। हर प्रसव के बाद प्रसव कक्ष की राफाई अवश्य कराई जाय जिससे प्रसव कक्ष में दुर्गम्य न आने पायें। 	Nurse Mentor/ Consultant MH & BPM
<ul style="list-style-type: none"> सामु0स्वा0केन्द्र एफ0आर0यू0 के रूप में चिह्नित है किन्तु विगत 01 वर्ष में चिकित्सा इकाई पर एक भी प्रसव आपरेशन से नहीं कराया गया है। माह अगस्त 2022 से भ्रमण दिनांक तक चिकित्सा इकाई पर कुल 180 सामान्य प्रसव कराये गये हैं। पी0एन0सी0 वार्ड में 03 प्रसूता भर्ती थीं जिनका प्रसव भ्रमण दिनांक 21.9.2022 को चिकित्सा इकाई पर हुआ था। 	<ul style="list-style-type: none"> जनपद स्तर पर बात कर ऑनकाल पर एनेसथेटिस्ट की व्यवस्था कर जटिलता वाले प्रसव को आपरेशन से कराने का सुझाव दिया गया। 	CHC Suptt./BPM & Cons. MH





<ul style="list-style-type: none"> पी0एन0सी0 वार्ड में साफ-सफाई की व्यवस्था संतोष जनक नहीं थी, वार्ड में दुर्गम्भ आ रही थी गर्मी अत्यधिक थी और बेड चादरें भी साफ नहीं थी। पी0एन0सी0 वार्ड में बेड पर लाभार्थी के साथ उसके परिवार के सदस्य भी बैठे/लेटे हुए थे एवं अत्यधिक भीड़ थी। 	<ul style="list-style-type: none"> पी0एन0सी0 वार्ड में नियमित राफ-सफाई कराने एवं मरीज के साथ एक बार में एक ही अटेंडेन्ट को साथ में रहने की स्वीकृति प्रदान करने हेतु अवगत कराया गया। 	CHC Suptt./ Nurse Mentor & BPM
<ul style="list-style-type: none"> जे0एस0एस0के0 के अन्तर्गत भ्रमण के समय लाभार्थियों/प्रसूताओं को दोपहर का भोजन उपलब्ध कराया गया था। भोजन की गुणवत्ता संतोषजनक नहीं थी प्रदत्त कराई जा रही चिकित्सीय सुविधाओं (प्रसव से सम्बन्धित) के विषय में लाभार्थियों द्वारा संतोष व्यक्त किया गया। प्रसव कक्ष में लाभार्थी का पार्टौग्राफ आदि भरा जा रहा है। 	<ul style="list-style-type: none"> जे0एस0एस0के0 के अन्तर्गत प्रसूताओं को प्रदान किये जाने वाले भोजन की गुणवत्ता की नियमित जाँच कर सुधार कराने का सुझाव दिया गया मरीजों का पार्टौग्राफ भरने पर उपस्थित स्टाफ नर्स की प्रशंसा की गई। 	CHC Suptt./ Nurse Mentor & BPM
<ul style="list-style-type: none"> एन0बी0एस0यू0 इकाई स्थापित है जिसमें 03 स्टाफ नर्स नियुक्ति हैं। 02 रेडिएण्ट वार्मर एवं 01 फोटोथेरैपी यूनिट उपलब्ध है अन्य के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। एन0बी0एस0यू0 में भर्ती बच्चों की सूचना एफ0बी0एन0सी0 पोर्टल पर अभी अंकित नहीं की जा रही है। चिकित्सा इकाई पर कोल्ड चैन का भी अवलोकन किया गया। आई0ओ0 श्री एस0एच0 मिश्रा कक्ष में उपस्थित थे। चिकित्सा इकाई पर पल्स पोलियों कार्यक्रम के अन्तर्गत घर-घर विजिट का कार्यक्रम चल रहा था। पूछने पर आई0ओ0 द्वारा अवगत कराया गया कि कुल 98 टीमें गठित की गई हैं जो क्षेत्र में भ्रमण कर रही हैं। चिकित्सा इकाई पर कोल्ड चैन कक्ष में 02 आई0एल0आर0 एवं 04 डीप फीजर हैं एवं सभी कियाशील अवस्था में हैं। आई0एल0आर0 एवं डीप फीजर पर विगत 04 दिनों से टेम्प्रेचर चार्ट नहीं भर गया है। कक्ष में साफ-सफाई की व्यवस्था संतोषजनक पायी गई। औषधि भंडारण कक्ष का भी भ्रमण किया गया। चीफ फार्मासिस्ट श्री प्रेमचन्द्र राजपूत कक्ष में 	<ul style="list-style-type: none"> एफ0बी0एन0सी0 पोर्टल पर निर्धारित सूचना को ससमय अपलोड करने हेतु अवगत कराया गया। नियमित रूप से टेम्प्रेचर चार्ट भरने हेतु अवगत कराया गया। दवाओं/लैब से सम्बन्धित 	CHC Suptt.& BPM IO & BPM

<p>उपस्थित थे।</p> <ul style="list-style-type: none"> कक्ष में साफ—सफाई की व्यवस्था संतोषजनक थी किन्तु दवाइयों का रख—रखाव सही नहीं। पाया गया। ऐक पर दवाइयों के नाम की स्लिप नहीं लगी थी एवं फर्श पर भी गत्ते में औषधियां रखी हुई थीं। चिकित्सा इकाई के पैथालजी में एल0टी0 द्वारा सेवायें प्रदान की जा रही हैं। पैथालजी में हीमोग्लोबिन, एच0आई0वी0, मलेरिया, शुगर, टायफाइड, टी0वी0 स्पूटम, पेशाब, सी0बी0सी0 आदि की निःशुल्क जाँच की जा रही है एवं उपलब्ध जाँच सेवाओं के सम्बन्ध में पैथालजी के बाहर सूची/प्रदर्शन भी किया गया है। पैथालजी में साफ—राफाई की व्यवस्था संतोषजनक नहीं थी। एल0टी0 द्वारा इन्फेक्शन प्रीवेन्शन प्रोटोकॉल का पालन नहीं किया जा रहा था। रक्त अल्पता/कम एच0बी0 (हीमोग्लोबिन) वाली गर्भवती महिलाओं की सूची अलग से तैयार नहीं की जा रही है और न ही ऐसी एच0आर0पी0 का फॉलोअप कराया जा रहा है। चिकित्सा इकाई पर ब्लड स्टोरेज यूनिट स्थापित है किन्तु क्रियाशील नहीं है। भ्रमण दिनांक तक किसी भी लाभार्थी का Blood Transfusion नहीं कराया गया है। बी0पी0एम0यू0 यूनिट का भ्रमण किया गया। बी0पी0एम0/बी0ए0एम0 तथा आपरेटर यूनिट में उपस्थिति पाये गये। बी0सी0पी0एम0 उपस्थित नहीं थी। बी0पी0एम0 द्वारा बताया गया कि क्षेत्र में आयुष्मान कार्ड बनवाने हेतु गई है और अपने आलमारी की चाभी लेकर गई है। बी0सी0पी0एम0 के उपस्थित न होने के कारण कारण कम्युनिटी प्रोसेस व आर0के0एस0 के सम्बन्धित गतिविधियों/अभिलेखों का अवलोकन नहीं किया जा सका। 	<p>रीयजेन्ट्स की स्टॉक इन्फ्री व First in First Out (FIFO) के अनुसार इस्तेमाल करने हेतु एवं अभिलेख तैयार करने हेतु फार्मासिस्ट व एल0टी0 को जानकारी दी गई।</p> <ul style="list-style-type: none"> पैथालजी में उपलब्ध जाँच के सम्बन्ध में किये गये प्रदर्शन हेतु उपस्थित स्टाफ की प्रशंसा की गई। नियमित रूप से पैथालजी में सफाई कराने हेतु अवगत कराया गया। लैब गे इन्फेक्शन प्रीवेन्शन प्रोटोकाल का पालन करने हेतु अवगत कराया गया तथा इससे राम्बन्धित प्रोटोकाल का प्रदर्शन करने हेतु भी अवगत कराया गया। रक्त अल्पता से ग्रसित गर्भवती महिलाओं/जिनका हीमोग्लोबिन 7.00gm से कम है की सूचना अलग पंजिका में अंकित कर चिकित्सालय की महिला चिकित्सक एवं बी0पी0एम0/ बी0सी0पी0एम0 को अवगत कराने हेतु सूचना प्रदान की गई जिससे ससमय ऐसी जटिलता वाली गभ्रवती को उपचारित कर सुरक्षित प्रसव कराया जा सके। ब्लड स्टोरेज यूनिट को क्रियाशील करने हेतु अवगत कराया गया। विभागीय पत्रावलियों के रख—रखाव से सम्बन्धित आलमारी की चाभी व्यक्तिगत रूप से रखने पर आपत्ति व्यक्त की गई एवं यदि कार्यालय से बाहर जा रहे हैं तो विभागीय आलमारी की चाभी सम्बन्धित कर्मी के पास रखने हेतु भी अवगत कराया गया। 	<p>Chief Pharmacist & LT</p> <p>LT & Support Staff</p> <p>CHC Suptt.& Team</p> <p>CHC Suptt.& Team</p> <p>CHC Suptt. /BPM/BCPM & Team</p>
---	--	---

<ul style="list-style-type: none"> ब्लाक लेखा प्रबन्धक द्वारा भी भुगतान से सम्बन्धित पत्रावली व इनवाइस अवलोकन हेतु प्रस्तुत नहीं किया जा सका। ब्लाक लेखा प्रबन्धन इकाई पर बाहर प्रचार-प्रसार सामग्री खुले में अव्यवस्थित रूप से रखे गये थे। 	<ul style="list-style-type: none"> ब्लाक लेखा प्रबन्धक को भुगतान से सम्बन्धित पत्रावलियों को सही से रखने हेतु अवगत कराया गया। बी०पी०एम०य०० यूनिट पर साफ-सफाई कराने हेतु अवगत कराया गया तथा प्रचार-प्रसार रागाग्री को व्यवस्थित रूप से रखने हेतु भी अवगत कराया गया। 	BAM BPMU & Team
---	--	------------------------

उपकेन्द्र बलीपुर

<ul style="list-style-type: none"> भ्रमण दल अपराह्न 3.30 पर जब उपकेन्द्र बलीपुर पहुँचा उरा रामय केन्द्र पर ए०एन०एम० सरिता उपरिथित थी तथा प्रसव करा रही थी। उपकेन्द्र प्रसव इकाई के रूप में चिह्नित है। उपकेन्द्र पर वर्ष 2021–22 में कुल 1163 प्रसव सम्पन्न हुए हैं। उपकेन्द्र पर साफ-सफाई की व्यवस्था रांतोषजानक थी। उपकेन्द्र पर प्रसव सुविधा को और अधिक व्यवस्थित करने की आवश्यकता है। प्रसव हेतु लेबर टेबल, मैकिनटॉश, मेडिसिन ट्रे व कन्जूमेबिल की व्यवस्था मानकारूप व्यवस्थित कराने हेतु अवगत कराया गया। 	<ul style="list-style-type: none"> ए०एन०एम० से मांगपत्र प्राप्त कर आवश्यक सामग्री नियमित रूप से उपकेन्द्र पर उपलब्ध कराने हेतु अवगत कराया गया। 	CHC Suptt.& ANM
---	---	-----------------

हेत्थ एवं वेलनेस सेन्टर बलीपुर

<ul style="list-style-type: none"> भ्रमण के समय हेत्थ एवं वेलनेस सेन्टर बलीपुर पर सी०एच०ओ० श्री प्रेरक कुमार उपस्थित थे एवं मरीजों को चिकित्सीय परामर्श की सेवा प्रदान कर रहे थे। हेत्थ एवं वेलनेस सेन्टर उपकेन्द्र बलीपुर के भवन में संचालित है। सी०एच०ओ० द्वारा टेली कन्सल्टेशन की सेवायें प्रदत्त कराई जा रही हैं। सी०एच०ओ० द्वारा अवगत कराया गया कि वह स्थानान्तरण लेकर यहाँ आये हैं और यहाँ पर उसको अभी तक कार्य हेतु विभागीय टेबलेट उपलब्ध नहीं कराया गया है। स्वयं के मोबाइल से ही टेलीकन्सल्टेशन की सेवायें लाभार्थियों को उपलब्ध कराई जा रही है। हेत्थ एवं वेलनेस सेन्टर द्वारा कुल 7568 की आबादी पर कार्य किया जा रहा है तथा क्षेत्र में 08 आशाकार्यकारी एवं 01 आशा संगिनी कार्यरत है। केन्द्र पर आवश्यक औषधि एवं जाँच हेतु किट एवं कन्जूमेबिल उपलब्ध है। केन्द्र पर विधुत एवं पानी की व्यवस्था उपलब्ध है। सी०एच०ओ० द्वारा अवगत कराया गया कि विभाग से TA/DA एवं PBI का भुगतान नहीं किया रहा है। 	<ul style="list-style-type: none"> विभागीय टेबलेट को सीधे ही उपलब्ध कराने हेतु अवगत कराया गया। 	ACMO-NHM /DCPM
<ul style="list-style-type: none"> अनुमन्य TA/DA & PBI का लम्बित भुगतान तत्काल कराने हेतु अवगत कराया गया। 	<ul style="list-style-type: none"> अनुमन्य TA/DA & PBI का लम्बित भुगतान तत्काल कराने हेतु अवगत कराया गया। 	CMO/ACMO & DPM/DCPM

दिनांक 22.09.22

<ul style="list-style-type: none"> जिला कार्यक्रम प्रबन्धन इकाई/ जनपदीय अधिकारियों के साथ बैठक कर संचालित विभिन्न कार्यक्रमों के प्रगति की समीक्षा की गई। नगरीय प्राथमिक स्वारक्ष्य केन्द्र अमृतपुर का भ्रमण किया गया। यू०पी०एच०सी० में अप्रैल 2022 से माह अगस्त 2022 तक कुल 24 प्रसव हुए। प्रसव गुरुवार: स्टाफ नर्स द्वारा ही कराये जाते हैं, कोई समस्या होने पर चिकित्सा अधिकारी द्वारा जाँच/सहयोग प्रदान किया जाता है। चिकित्सा अधिकारी डॉ श्वेता सिंह यू०पी०एच०सी० पर माह जुलाई 2022 से अपनी सेवायें दे रही हैं परन्तु अभी तक उन्हें वेतन प्राप्त नहीं हुआ है। अवगत कराया गया कि चिकित्सा अधिकारी की नियुक्ति हेतु समाचार पत्रों में विज्ञापन प्रकाशित किया गया जिसमें त्रुटिवश यू०पी०एच०सी० चिकित्सा अधिकारी हेतु रु० 60000 / प्रतिमाह धनराशि का मानदेय प्रकाशित है जबकि यू०पी०एच०सी० चिकित्सा अधिकारी हेतु यह मानदेय रु० 55000 / ही है। चिकित्सा अधिकारी की नियुक्ति पत्र में मानदेय रु० 55000 ही है जिसे नोटशीट पर जिलाधिकारी के सम्मुख प्रस्तुत कर अनुमोदन लिया गया है परन्तु जिला स्वारक्ष्य समिति से चिकित्सा अधिकारी की नियुक्ति होने के उपरान्त राज्य स्तर से इस हेतु कोई भी अनुमोदन प्राप्त नहीं किया गया एवं चिकित्सा अधिकारी का नियुक्ति पत्र जिला स्तर से जारी कर दिया गया है। दुविधा के कारण चिकित्सा अधिकारी को अभी तक मानदेय निर्गत नहीं किया गया है। राज्य स्तर से दिशा निर्देश दिया जाना अपेक्षित है। अर्बन आशाओं का एच०बी०एन०सी० पर प्रशिक्षण न होने के कारण एच०बी०एन०सी० विजिट नहीं हो पा रही है। अर्बन कोआर्डिनेटर द्वारा अवगत कराया गया कि एच०बी०एन०सी० किट एवं मॉड्यूल उपलब्ध न हो पाने के कारण प्रशिक्षण नहीं हो पाया। इस हेतु राज्य स्तर पर सूचना दी गयी है। यू०पी०एच०सी० पर आई०एफ०ए० सीरप उपलब्ध नहीं था। माह जून 2021 में 300 बोतल आई०एफ०ए० सीरप प्राप्त हुआ था परन्तु जल्द ही एक्सपायर हो गया था। अवगत कराया गया कि अन्य आपश्यक दवाइयां समय से प्राप्त हो जाती हैं, परन्तु साफाई हेतु फिनायल आदि की उपलब्धता नहीं हो पाती है। 	<ul style="list-style-type: none"> सम्बन्धित प्रकरण पर जनपदीय अधिकारी/अपर मुख्य चिकित्साधिकारी नगरीय एवं डी०पी०एम० से वार्ता कर नियमानुसार कार्यवाही हेतु अवगत कराया गया। 	ACMO Urban & Urban Coordinator
<p style="text-align: center;">प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र अमृतपुर</p> <ul style="list-style-type: none"> प्राथमिक रवारक्ष्य केन्द्र अमृतपुर का भ्रमण किया गया। भ्रमण दल सांय 4.00 बजे प्राथमिक स्वारक्ष्य केन्द्र अमृतपुर पहुंचा। उस समय केन्द्र पर फार्मासिस्ट 	<p style="text-align: center;">   </p>	

<p>एवं ए०एन०एम० उपस्थित पाये गये।</p> <ul style="list-style-type: none"> फार्मासिस्ट द्वारा बताया गया कि चिकित्सालय ओ०पी०डी० समय प्रातः 8 से 2 तक है इसलिए सभी कर्मचारी घर जा चुके हैं। चिकित्सा इकाई पर साफ-सफाई की व्यवस्था संतोषजनक थी एवं कार्यक्रम के प्रचार-प्रसार से सम्बन्धित सामग्री का प्रदर्शन भी किया गया था। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र अमृतपुर पर ए०एन०एम० द्वारा प्रसव कराया जाता है। भ्रमण दिनांक तक चिकित्सा इकाई पर कुल 48 प्रसव सम्पन्न हुए हैं। माह अगस्त में 84 प्रसव एवं वित्तीय वर्ष 2021-22 में कुल 320 प्रसव हुए हैं। ए०एन०एम० द्वारा महिलाओं को परिवार कल्याण से सम्बन्धित भी सेवाएं प्रदान की जाती हैं। चिकित्सा इकाई पर परिवार नियोजन से सम्बन्धित सभी सामाग्री उपलब्ध पायी गई। 		
<p style="text-align: right;">दिनांक 23.9.2022</p> <ul style="list-style-type: none"> भ्रमण दल द्वारा दिनांक 23.9.2022 को जिला पुरुष चिकित्सालय/जिला महिला चिकित्सालय का भ्रमण एवं अपर मुख्य चिकित्साधिकारी व जिला कार्यक्रम प्रबन्धक के साथ फीडबैक साझा किया गया। भ्रमण दल प्रातः 10.00 बजे जब जिला संयुक्त चिकित्सालय फर्रुखाबाद पहुंचा उस समय चिकित्सालय में ओ०पी०डी० की सेवाये संचालित थी एवं चिकित्सक अपने कक्ष में मरीजों को देख रहे थे। भ्रमण दल ने मुख्य चिकित्साधीक्षक से मिलकर भ्रमण के उद्देश्य से उनकों अवगत कराने के उपरान्त हास्पिटल मैनेजर एवं जिला कार्यक्रम प्रबन्धक के साथ चिकित्सालय का भ्रमण किया। रजिस्ट्रेशन काउन्टर पर महिला व पुरुष की आलग-आलग लाइन लगी थी एवं काउन्टर पर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन किया जा रहा था। भ्रमण समय तक 599 मरीजों का पंजीकरण किया जा चुका था। चिकित्सालय परिसर में साफ-सफाई की व्यवस्था संतोषजनक थी। चिकित्सालय में टेली कन्सल्टेशन की सेवायें प्रदान की जा रही हैं। टेली कन्सल्टेशन में 03 चिकित्साधिकारियों का माह 5 जुलाई 2022 को जिला स्वास्थ्य समिति द्वारा वाक-इन-इन्टरव्यू द्वारा चयन किया गया है। भ्रमण के समय चिकित्साधिकारी डा० कृष्ण कुमार उपस्थित पाये गये जबकी डा० आकाश बसल इमरजेन्सी ड्यूटी पर थे कॉल करने पर आ गये एवं डा० अरिद्वमन सिंह उपस्थित नहीं थे। ओ०पी०डी० अवधि में समर्त चिकित्साधिकारी को टेली कन्सल्टेशन कक्ष में उपस्थित हो कर आनलाइन रहकर टेली कन्सल्टेशन की सेवा प्रदान करने हेतु अवगत कराया गया। 	<p style="text-align: right;">CMS & Concern Doctors</p>	

<ul style="list-style-type: none"> टेली कन्सल्टेशन में कार्यरत चिकित्साधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि अभी तक उन्हें मानदेय का भुगतान नहीं किया गया है। टेली कन्सल्टेशन कक्ष में तीनों चिकित्साधिकारी के पास कम्प्यूटर सिस्टम नेट के साथ उपलब्ध है। कक्ष में साफ-सफाई की व्यवस्था संतोषजनक थी। डा० कृष्ण कुमार द्वारा कुल 1889 मरीजों को एवं डा० आकाश बंसल द्वारा कुल 1095 गरीजों को अभी तक टेली कन्सल्टेशन की सेवा प्रदान की गई है जो कि अनुमानतः बहुत ही कम है। 	<ul style="list-style-type: none"> चिकित्साधिकारियों के मानदेय हेतु अपर मुख्य चिकित्साधिकरी एन०एच०एम० व डी०पी०एम० से वार्ता कर सीम्म ही भुगतान कराने हेतु अवगत कराया गया। 	CMS & Concern Staff
<ul style="list-style-type: none"> तम्बाकू नियन्त्रण कार्यक्रम के अन्तर्गत जिला चिकित्सालय में स्थापित क्लीनिक में अमित सिसौदिया द्वारा मरीजों को परामर्श की सवायें प्रदान की जा रही थी। भ्रमण समय तक 6 मरीजों को परामर्श सेवा प्रदान की गई थी। कुष्ठ उन्मूलन क्लीनिक में ए०एन०एम०ए० श्री० पंकज शुक्ला द्वारा सेवा प्रदान की जा रही थी। माह सितम्बर 2022 में ओ०पी०डी० में 1 कुष्ठ केस नया आया था जिसको जाँच उपरान्त चिकित्सीय सेवा प्रदान की गई। एन०सी०डी० क्लीनिक में एन०पी०सी०डी०सी०एस० परामर्शदाता सुश्री नाजिया उपरिथित पायी गई। फिजियोथेरेपी क्लीनिक में श्री आकाश सक्सेना एवं श्री गौरव कुमार उपस्थित थे। फिजियोथेरेपी क्लीनिक में साफ-सफाई की व्यवस्था संतोषजनक नहीं थी। खिडकियों पर पर्दे नहीं लगे थे एवं उपकरण पर भी धूल जमा थे। सी०टी० स्कैन सेन्टर में मरीजों का सी०टी० स्कैन किया जा रहा था। सी०टी० स्कैन क्लीनिक में 2 रेडियोग्राफर, 2 स्टाफ नर्स एवं 1 अटेंडेन्ट कार्यरत थे। चिकित्सा इकाई पर पी०पी०पी० मॉडल पर मरीजों को सी०टी० स्कैन की सेवा प्रदान की जा रही है। उपरिथित रटाफ द्वारा अवगत कराया गया कि प्रतिदिन लगभग 35 से 40 मरीजों का सी०टी० स्कैन किया जाता है जिनमें से 8 से 10 में गंभीर बीमारी का भी पता चलता है। रप्ताकोष का भी भ्रमण किया गया। रवत्तकोष में साफ-सफाई की व्यवस्था संतोषजनक थी। भ्रमण के समय दो लाभार्थी सुश्री नेहा एवं श्री 	<ul style="list-style-type: none"> डा० कृष्ण कुमार द्वारा अनुमानतः प्रतिदिन 25 मरीज व डा० आकाश बंसल द्वारा प्रतिदिन अनुमानतः 14 मरीज को टेली कन्सल्टेशन की सेवा प्रदान की जा रही है जो कि बहुत ही कम है। उक्त हेतु रणनीति तैयार कर सुधार करने हेतु अवगत कराया गया। अपराह्न 1.30 तक कुल 6 ही मरीजों को परामर्श की सेवा प्रदान की गई है जो कि बहुत ही कम है। उक्त हेतु अवगत कराया गया कि ओ०पी०डी० में भ्रमण कर चिकित्सक से सम्पर्क स्थापित कर अधिक से अधिक मरीजों को परामर्श हेतु तम्बाकू नियन्त्रण प्रकोष्ठ में रेफर करने हेतु अवगत कराया गया। 	Dr Krishna Kumar & Dr Akash Bansal Concern Staff
<ul style="list-style-type: none"> फिजियोथेरेपी क्लीनिक में नियमित साफ-सफाई कराने हेतु एवं खिडकियों पर पर्दे लगाने हेतु अवगत कराया गया। 	<ul style="list-style-type: none"> फिजियोथेरेपी क्लीनिक में नियमित साफ-सफाई कराने हेतु एवं खिडकियों पर पर्दे लगाने हेतु अवगत कराया गया। 	CMS/Concern Staff

<p>विमलेश कुमार हेतु रक्त के लिए उनके परिवार के लोग उपस्थित थे जिनका Requisition Form जमा था और रक्तकोष के स्टॉफ द्वारा कार्यवाही की जा रही थी।</p> <ul style="list-style-type: none"> एल0टी0 शानू भदौरिया कक्ष में उपस्थित थे। कैम्प में एकत्रित रक्त यूनिटों की स्क्रीनिंग हेतु किट से जाँच की जा रही थी किन्तु उपयोगित किट पर कोई भी सूचना अंकित नहीं थी जिससे यह स्पष्ट किया जा सके कि किस रक्त यूनिट का सैम्प्ल लिया गया है। उक्त पर पूछने पर उपस्थित एल0टी0द्वारा संतोषजनक जवाब नहीं दिया जा सका। Blood Storage Room में दो Blood Storage Refrigerator थे जिनमें एक में Screened Blood Unit और एक में Unscreened Blood Unit रखी गई थी। जिस रेफिजरेटर में Unscreened Blood Unit रखी गई थी उस पर कुछ भी अंकित नहीं था जिससे ये पता चले कि इसमें कौन सी रक्त यूनिट रखी गई है। रक्तकोष में उपलब्ध रक्त यूनिटों हेतु सूचना का प्रदर्शन नहीं किया गया था जिससे ये ज्ञात हो सके कि दैनिक आधार पर रक्तकोष में कौन-कौन से ब्लड ग्रुप की कितनी रक्त यूनिट उपलब्ध है। जीरियाट्रिक वार्ड का भी भ्रमण किया गया। चिकित्सालय में 2016 में Elderly Program के अन्तर्गत जीरियाट्रिक वार्ड कियाशील है। जिरियाट्रिक वार्ड में कुल 10 बेड लगे हैं जिनमें भ्रमण के समय 8 बेड पर मरीज भर्ती थे। वार्ड में साफ-सफाई की व्यवस्था बहुत ही अंसन्तोषजनक थी। वार्ड में अत्यधिक भीड़ थी एवं असहनीय बदबू आ रही थी। एन0आर0सी0 का भ्रमण किया गया, चिकित्सालय में एन0आर0सी0 सुचारू रूप से संचालित है। एन0आर0सी0 इन्वार्ज द्वारा अवगत कराया गया कि 60 प्रतिशत बच्चे ओ0पी0डी0 द्वारा भर्ती होते हैं। आशा एवं आंगनवाड़ी द्वारा रेफरल बहुत कम है। एन0आर0सी0 में स्वीपर की नियुक्ति किये जाने की आवश्यकता है। माह अप्रैल से अगस्त तक कुल 79 बच्चे एन0आर0सी0 में भर्ती थे। भ्रमण के दौरान 5 बच्चे भर्ती थे। जिला महिला चिकित्सालय में स्थित एस0एन0सी0यू० का भ्रमण किया गया। एस0एन0सी0यू० की बेड ऑक्यूपेन्सी रेट 78 प्रतिशत है। माह अगस्त में Inborn admission 74 तथा Outborn admission 225 थे। 	<ul style="list-style-type: none"> रक्त यूनिटों की स्क्रीनिंग हेतु किट पर सम्बन्धित ब्लड बैग की संक्षिप्त सूचना यथा बैग नम्बर, रक्त संग्रहण दिनांक, डोनर का नाम आदि अंकित करने हेतु अवगत कराया गया जिससे पहचान हो सके कि किस ब्लड बैग के रक्त की जाँच की जा रही है। Blood Storage Refrigerator पर स्पष्ट अंकित करने हेतु अवगत कराया गया कि किसमें Screened Unit है और किस में Unscreened Unit है जिससे भविष्य में कोई भी अनहोनी न हो। रक्तकोष में दैनिक आधार पर ग्रुप वाइज उपलब्ध रक्त यूनिटों के प्रदर्शन हेतु अवगत कराया गया। 	<p>BB INcharge & LT</p> <p>BB INcharge & LT</p> <p>BB INcharge & LT</p> <p>CMS & Hospital Manager</p> <p>CMO/CMS/ DCPM & Team</p>
--	--	---

<p>चिकित्सालय में 18 बेड की एस0एन0सी0यू0 इकाई स्वीकृत है। 15 बेड की एस0एन0सी0यू0 संयालित है।</p> <ul style="list-style-type: none"> भ्रमण के समय कोई भी बालरोग विशेषज्ञ एस0एन0सी0यू0 में उपस्थित नहीं थे। अवगत कराया गया कि दिनांक 23.09.2022 को डा० शिवाशीष की ओ०पी०डी० एवं आई०पी०डी० ड्यूटी है और डाक्टर राहब अभी-अभी ड्यूटी कर के गये हैं। एस0एन0सी0यू0 कक्ष के बाहर ज्यादा भीड़-भाड़ थी। 	<ul style="list-style-type: none"> प्रयास किया जाय कि एस0एन0सी0यू0 में कोई न कोई बालरोग विशेषज्ञ हमेशा उपस्थित रहें। एस0एन0सी0यू0 कक्ष के बाहर ज्यादा भीड़-भाड़ न हो एवं इन्फेक्शन प्रीवेन्शन का पालन किया जाय। 	<p>CMS & SNCU Nodal</p>
---	--	-----------------------------

अभियुक्त-

- प्रसव कक्ष में मानकारूप आवश्यक लेबल, मैकिंटोश, कैलिस पैड व मेडिसिन ट्रै आदि की व्यवस्था कराई जाय। जनपदीय गातृ सलाहकार द्वारा नियमित रूप से नर्स मेन्टर की बैठक कर सभी व्यवस्थायें सुनिश्चित की जाय।
- प्रसव कक्ष एवं वार्ड में दिशा- निर्देशानुसार आवश्यक प्रोटोकाल लगे हो।
- पी०एन०सी० वार्ड में साफ -सफाई तथा गोपनीयता की व्यवस्था हो।
- एच०आर०पी० केस का फॉलोअप तथा नियामित जॉन्च रिकार्ड का रख-रखाव सुनिश्चित कराया जाय।
- ब्लड स्टोरेज यूनिट को कियाशील कराते हुए चिकित्सा इकाई पर एवं क्षेत्र में इसका प्रचार-प्रसार भी कराया जाय।
- रक्षित कराई गई धनराशि की कार्ययोजना तैयार कर इकाईवार व्यय की समीक्षा व समयबद्ध रूप से व्यय कराया जाय।
- नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर कार्यरत स्टाफ नर्स, ए०एन०एग० का नियमित रूप से क्षमता वर्धन किया जाय व नवीन दिशा-निर्देशों से अवगत कराया जाय।
- प्रसव वाले उपकेन्द्रों को चिन्हित कर वहाँ पर मानकारूप आवश्यक सुविधायें उपलब्ध कराई जाएं एवं समय समय पर ऐरी ए०एन०एम० का क्षमतावर्द्धन भी किया जाय।
- नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं टेली कन्शल्टेशन में चयनित नवीन चिकित्साधिकारियों के लम्बित मानदेय भुगतान को शीघ्र कराने हेतु कार्यवाही की जाय।

20/10/22

रागिनी सिंह, सलाहकार,
बाल स्वास्थ्य,
एस०पी०एम०यू०, एन०एच०एम०।

20/10/22

नीलिमा पाठक, सलाहकार
स्टेट ब्लड सेल एवं सोशल गीडिया,
एस०पी०एम०यू०, एन०एच०एम०।

डॉ० मीनाक्षी सिंह
महाप्रबन्धक, आई०ई०सी०
मण्डलीय प्रभारी, कानपुर मण्डल
एस०पी०एम०यू०, एन०एच०एम०।

प्रतिलिपि: महाप्रबन्धक, एम०एण्ड०ई० को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।